

प्रेमक,

बी०पी० गुप्ता  
उप सचिव  
उत्तरांचल शासन

सेवा में,

मुख्य वन संरक्षक  
नियोजन एवं वित्तीय प्रबंधन  
उत्तरांचल, देहरादून

वन एवं पर्यावरण अनुभाग-2

देहरादून : दिनांक 12 जून, 2006

विषय:- अनुदान सं०-27 में राज्य सेक्टर- आयोजनागत पूँजीगत पक्ष में वन विभाग के आवासीय/अवासीय भवनों के निर्माण की प्रशासनिक स्वीकृति।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या-वि.1094/8-1(भवन), दिनांक 26 मई, 2006, शासनादेश संख्या-311/एस-2-2006-12(45)/2005 टी०सी०, दिनांक 30 जनवरी, 2006 एवं शासनादेश संख्या-1410/एस-2-2006-12(45)/2005 टी०सी०, दिनांक 28 मार्च, 2006 द्वारा नव वर्ष अवसृत धनराशि के कम में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि प्रत्येक योजना के अन्तर्गत मैंग्रोव स्थित हनुमान नदी तथा ओक पार्क में भवनों के स्थल विकास कार्य शासन को उपलब्ध कराये गये आगमन/प्रापकलन/लागत (130.42 + 18.28) रु० 148.70 लाख के सापेक्ष टी०ए०सी० वित्त विभाग द्वारा परीक्षणोपरान्त औपचारिक पूर्ण नयी कुल धनराशि (68.98 + 14.43) रु० 83.41 लाख (रु० तिरालिस लाख इकतालिस हजार मात्र) की धनराशि के व्यय की प्रशासनिक स्वीकृति श्री राज्यपाल महोदय विम्वलिखित शर्तों एवं प्रतिबंधों के अधीन सार्व प्रदान करते हैं:-

1. आगमन में उल्लिखित दत्त का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दत्त को तथा जो दत्त सिद्धमूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं है अथवा बाजार भाव से ली नहीं हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता से अनुमोदन करना आवश्यक होगा, तदोपरान्त ही आगमन की स्वीकृति मान्य होगी।
2. कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगमन/मागदित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के किसी भी दशा में कार्य से प्रारम्भ न किया जाय।
3. कार्य पर उत्पन्न हो व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत मार्ग है, स्वीकृत मार्ग से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
4. एक कुल प्राविधान को कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगमन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करने के उपरान्त कार्य टेकअप किया जाय।
5. कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि को मध्य नजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रमलित दत्तों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सज्जदित करना सुनिश्चित करें।
6. कार्य कराने से पूर्व स्थल का भली-भांति निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भुमदेवता के साथ आवश्यक करा लें। निरीक्षण के पश्चात स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण रिपोर्टों के अनुसार कार्य किया जाय।
7. आगमन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी, उसी मद पर व्यय किया जाय, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।
8. निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व सनग्गी का किसी प्रयोजनशाला से टेस्टिंग करा ली जाय तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सनग्गी को ही प्रयोग में लाया जाय।
9. सी०पी० डब्लू० फार्म-9 की शर्तों के अनुसार निर्माण निर्माण इकाई को कार्य सन्पादित करना होगा तथा समय से कार्य को पूर्ण न करने पर 10 प्रतिशत दर से आगमन की कुल लागत का निर्माण इकाई से वण्ड वसूल किया जायेगा।
10. किसी भी कार्य/विषय/दस्तावेजों के निर्माण की विस्तृत आगमन/मागदित्र गठित करने परान्त अधीक्षण अभियन्ता द्वारा सार्व के अनुसार गठित किया जाय तथा उसकी सूचना प्रशासनिक विभाग को भी दें एवं डिप्टी

कालेजों/मैडिकल के हॉस्टलों का निर्माण एचआईवी के मामलों के आधार पर प्राथमिक आगमन मॉडल किया जाय।

11. निजकयता के सन्वय में निवनों का कड़ाई से चालन किया जाय।
12. उच्च धनराशि का रत्नायोजन एवं लग्न पूरे में स्वीकृत शासनदेश दिनांक 30 जनवरी, 2006 एवं दिनांक 28 मार्च, 2006 में दी गयी स्वीकृति में किया जायेगा।
3. वे आदेश वित्त विभाग की अशासकीय संख्या-141/XXV(4)/2006 दिनांक 07 जून, 2006 द्वारा प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय

(बी०पी० गुप्ता)  
अपर सचिव

संख्या-2281(1)/एचएस-2-2006, तदुद्दिनांकित

श्रीशिवि विभासिद्धि को सूचनाएं एवं आवश्यक सहायता हेतु प्रेषित:-

1. नगरपालिका/संस्था एवं सेवा परीक्षा, उत्तरांचल, ओडिसा नोटर्स विनिर्माण, सहनपुर रोड, नगर, देहरादून।
2. प्रमुख धन संरक्षण, उत्तरांचल, देहरादून।
3. सचिव, नियोजन विभाग, उत्तरांचल शासन, देहरादून।
4. अपर सचिव, वित्त अनुभाग-4, उत्तरांचल शासन, देहरादून।
5. निजी सचिव, जयन्तीय मुख्य मंत्री जी, उत्तरांचल शासन।
6. निजी सचिव, ज्योत्सना मंत्री जी, उत्तरांचल, विभाव भवन, देहरादून।
7. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन।
8. निजी सचिव, अपर मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन।
9. आयुक्त, मुन्नाऊ जन्मल/प्रियासिद्धि नैनीताल।
10. निदेशक, कोषागार एवं वित्त संचालन, देहरादून।
11. सम्बन्धित कोषाधिकारी/मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी, उत्तरांचल।
12. प्रगति, एच.आई.वी., उत्तरांचल सचिवालय, देहरादून।
13. वरिष्ठ राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन, सचिवालय, देहरादून।
14. बी.पी.ओ. पान्डेय, उप निदेशक, ई०पी०आई०, देहरादून को इस आशय के साथ प्रेषित कि किराये की कार्य दिवस में शासन ने सम्पूर्ण कर प्रथमतः जालों के संशोधित आगमन/आंकलित लागत में विवरण प्राप्त कर लें।
15. गार्ड फाइल (जे)।

(बी०पी० गुप्ता)  
अपर सचिव

*Handwritten signature*